Amar Ujala 10.4.25

विरासत 2026 में दिखी संस्कृति की झलक

सेक्टर-32 के एसडी कॉलेज में वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव का शानदार आगाज

विरासत 2026 में सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश करती छात्रा। आयोजक

संवाद न्यूज एजेंसी

चंडीगढ़। सेक्टर-32 के एसडी कॉलेज में आयोजित दो दिवसीय वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव विरासत 2026 का आगाज बेहद उत्साह और रंगारंग प्रस्तुतियों के साथ हुआ। उहजारों विद्यार्थियों की उपस्थिति ने आयोजन को जीवंत और यादगार बना दिया।

कार्यक्रम में समूह और एकल प्रस्तुतियों का आकर्षक मिश्रण देखने को मिला। मंच पर नाटी, भांगड़ा, हरियाणवी, राजस्थानी, बॉलीवुड और हॉलीवुड नृत्य शैलियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। हर प्रस्तुति में ऊर्जा, रचनात्मकता और सांस्कृतिक विविधता की झलक साफ दिखाई दी।

मुख्य अतिथि आबकारी एवं कराधान उपायुक्त (आईआरएस) सुरभि गर्ग ने कहा कि युवाओं को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जुड़ते देखना अत्यंत सुखद है। ऐसे मंच परंपराओं को जीवंत और प्रासंगिक बनाए रखने में अहम भूमिका निभाते हैं। कॉलेज प्राचार्य डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि विरासत उत्सव संस्थान की समग्र शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जहां सांस्कृतिक सहभागिता को शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ जोड़ा जाता है। उत्सव के पहले दिन का समापन एक रोमांचक डीजे सेशन के साथ हुआ, जिसने दर्शकों को ऊर्जा से भर दिया।

हिमाचली और पंजाबी लोक परंपराओं की गूंज

संगीत खंड में हिमाचली और पंजाबी लोक परंपराओं की मनमोहक प्रस्तुतियों ने माहौल को और भी रंगीन बना दिया। वहीं, हकीकत और स्वास्तिक बैंड के लाइव शो ने दर्शकों में जोश और उत्साह भर दिया, जिससे पूरा परिसर तालियों और उत्साह से गूंज उठा।

नृत्य, संगीत और उत्साह का महाकुंभ बना 'विरासत 2026', छात्रों की ऊर्जा ने भरा रोमांच

अमूल्या/देवभूमि मिरर

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में वीरवार को दो दिवसीय वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव 'विरासत 2026' का आगाज़ हुआ। इस वार्षिक फेस्टिवल ने भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को आधुनिक अंदाज़ के साथ प्रस्तुत करते हुए हजारों छात्र-छात्राओं का मन मोह लिया। पहले दिन में नाटी, भांगड़ा, हरियाणवी, राजस्थानी, बॉलीवुड और हॉलीवुड सहित विविध नृत्य प्रस्तुत किए गए, जिन्होंने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। हिमाचली और पंजाबी लोक संगीत ने महोत्सव को सांस्कृतिक गहराई दी। इसके अलावा हक़ीकत और स्वास्तिक बैंड के लाइव प्रदर्शन ने महोत्सव के माहौल को और भी उत्साहपूर्ण बना दिया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों की प्रस्तुति और कलाकारों की ऊर्जा ने 'विरासत 2026' को यादगार बना दिया, और यह महोत्सव भारतीय संस्कृति के रंगों और रचनात्मकता का जीवंत प्रमाण बनकर उभरा। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सुरभि गर्ग, उपायुक्त, एक्साइज एंड टैक्सेशन, चंडीगढ़ ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि उन्हें यह देखकर बहुत खुशी हुई कि युवा अपने सांस्कृतिक विरासत के साथ सक्रिय रूप से जुड़कर उसे मनाने में भाग ले रहे हैं। ऐसे मंच सुनिश्चित करते हैं कि हमारी परंपराएं प्रासंगिक, जीवंत और आधुनिक जीवन में गहराई से जड़ी रहें। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने महोत्सव के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि विरासत महोत्सव हमारे संस्थान की समग्र शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जो सांस्कृतिक सहभागिता को शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ जोड़ता है। उन्होंने कहा कि ऐसी पहलें छात्रों में रचनात्मकता, आत्मविश्वास और मजबूत पहचान विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

फेस्टिवल पहले दिन का समापन एक रोमांचक डीजे सत्र के साथ हुआ, जिसने दर्शकों को उत्साहित और दूसरे दिन के लिए रोमांचित कर दिया। रंगों और परंपराओं का यह महोत्सव शुक्रवार को और भी रोमांचक प्रदर्शन और प्रतियोगिताओं के साथ जारी रहेगा।

Arth Parkash 10-4-26

नृत्य, संगीत और उत्साह का महाकुंभ बना 'विरासत 2026', छात्रों की ऊर्जा ने भरा रोमांच

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में वीरवार को दो दिवसीय वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव 'विरासत 2026' का आगाज़ हुआ। इस वार्षिक फेस्टिवल ने भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को आधुनिक अंदाज़ के साथ प्रस्तुत करते हुए हजारों छात्र-छात्राओं का मन मोह लिया। पहले दिन में नाटी, भांगड़ा, हरियाणवी, राजस्थानी, बॉलीवुड और हॉलीवुड सहित विविध नृत्य प्रस्तुत किए गए, जिन्होंने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। हिमाचली और पंजाबी लोक संगीत ने महोत्सव को सांस्कृतिक गहराई दी। इसके अलावा हक़ीकत और स्वास्तिक बैंड के लाइव प्रदर्शन ने महोत्सव के माहौल को और भी उत्साहपूर्ण बना दिया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों की प्रस्तुति और कलाकारों की ऊर्जा ने 'विरासत 2026' को यादगार बना दिया, और

यह महोत्सव भारतीय संस्कृति के रंगों और रचनात्मकता का जीवंत प्रमाण बनकर उभरा।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सुरभि गर्ग, उपायुक्त, एक्साइज एंड टैक्सेशन, चंडीगढ़ ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि उन्हें यह देखकर बहुत खुशी हुई कि युवा अपने सांस्कृतिक विरासत के साथ सक्रिय रूप से जुड़कर उसे मनाने में भाग ले रहे हैं। ऐसे मंच सुनिश्चित करते हैं कि हमारी परंपराएं प्रासंगिक, जीवंत और आधुनिक जीवन में गहराई से जड़ी रहें। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने महोत्सव के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि विरासत महोत्सव हमारे संस्थान की समग्र शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जो सांस्कृतिक सहभागिता को शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ जोड़ता है।

उन्होंने कहा कि ऐसी पहलें छात्रों में रचनात्मकता, आत्मविश्वास और मजबूत पहचान विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। फेस्टिवल पहले दिन का समापन एक रोमांचक डीजे सत्र के साथ हुआ, जिसने दर्शकों को उत्साहित और दूसरे दिन के लिए रोमांचित कर दिया।

संगीत-उत्साह का महाकुंभ बना 'विरासत 2026', छात्रों की ऊर्जा ने भरा रोमांच

वैभव न्यूज ■ चंडीगढ़

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में वीरवार को दो दिवसीय वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव 'विरासत 2026' का आगाज़ हुआ। इस वार्षिक फेस्टिवल ने भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को आधुनिक अंदाज़ के साथ प्रस्तुत करते हुए हजारों छात्र-छात्राओं का मन मोह लिया। पहले दिन में नाटी, भांगड़ा, हरियाणवी, राजस्थानी, बॉलीवुड और हॉलीवुड सहित विविध नृत्य प्रस्तुत किए गए, जिन्होंने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। हिमाचली और पंजाबी लोक संगीत ने महोत्सव को सांस्कृतिक गहराई दी।

इसके अलावा हक़ीकत और स्वास्तिक बैंड के लाइव प्रदर्शन ने महोत्सव के माहौल को और भी उत्साहपूर्ण बना दिया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों की प्रस्तुति और कलाकारों की ऊर्जा ने 'विरासत 2026' को यादगार बना दिया, और यह महोत्सव भारतीय संस्कृति के रंगों और रचनात्मकता का जीवंत प्रमाण बनकर उभरा। कार्यक्रम की मुख्य

अतिथि सुरभि गर्ग, उपायुक्त, एक्साइज एंड टैक्सेशन, चंडीगढ़ ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि उन्हें यह देखकर बहुत खुशी हुई कि युवा अपने सांस्कृतिक विरासत के साथ सक्रिय रूप से जुड़कर उसे मनाने में भाग ले रहे हैं। ऐसे मंच सुनिश्चित करते हैं कि हमारी परंपराएं प्रासंगिक, जीवंत और आधुनिक जीवन में गहराई से जड़ी रहें। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने महोत्सव के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि विरासत महोत्सव हमारे संस्थान की समग्र शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जो सांस्कृतिक सहभागिता को शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ जोड़ता है। उन्होंने कहा कि ऐसी पहलें छात्रों में रचनात्मकता, आत्मविश्वास और मजबूत पहचान विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

Chandigarh Bhaskar

विरासत 2026 : हिमाचली-पंजाबी फोक डांस और लाइव बैंड की धूम

चंडीगढ़| सेक्टर-32 जीजीडीएसडी कॉलेज में दो दिवसीय एनुअल कल्चरल फेस्ट 'विरासत 2026' की शुरुआत हुई। पहले दिन नाटी, भंगड़ा, हरियाणवी, राजस्थानी, बॉलीवुड और हॉलीवुड डांस ने दर्शकों को बांधे रखा। हिमाचली और पंजाबी फोक म्यूजिक के अलावा हकीकत और स्वास्तिक बैंड की लाइव प्रस्तुतियों ने माहौल में जोश भर दिया।

नृत्य, संगीत और उत्साह का महाकुंभ बना विरासत 2026, छात्रों की ऊर्जा ने भरा रोमांच

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में वीरवार को दो दिवसीय वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव ह्वविरासत 2026ह्व का आगाज हुआ। इस वार्षिक फेस्टिवल ने भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को आधुनिक अंदाज के साथ प्रस्तुत करते हुए हजारों छात्र-छात्राओं का मन मोह लिया। पहले दिन में नाटी, भांगड़ा, हरियाणवी, राजस्थानी, बॉलीवुड और हॉलीवुड सहित विविध नृत्य प्रस्तुत किए गए, जिन्होंने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। हिमाचली और पंजाबी लोक संगीत ने महोत्सव को सांस्कृतिक गहराई दी। इसके अलावा हकीकत और स्वास्तिक बैंड के लाइव प्रदर्शन ने महोत्सव के माहौल को और भी उत्साहपूर्ण बना दिया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों की प्रस्तुति और कलाकारों की ऊर्जा ने ह्वविरासत 2026ह्व को यादगार बना दिया, और यह महोत्सव भारतीय संस्कृति के रंगों और रचनात्मकता का जीवंत प्रमाण बनकर उभरा।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सुरभि गर्ग, उपायुक्त, एक्साइज एंड टैक्सेशन, चंडीगढ़ ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि उन्हें यह देखकर बहुत खुशी हुई कि युवा अपने सांस्कृतिक विरासत के साथ सक्रिय रूप से जुड़कर उसे मनाने में भाग ले रहे हैं। ऐसे मंच सुनिश्चित करते हैं कि हमारी परंपराएं प्रासंगिक, जीवंत और आधुनिक जीवन में गहराई से जड़ी रहें। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने महोत्सव के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि विरासत महोत्सव हमारे संस्थान की समग्र शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जो सांस्कृतिक सहभागिता को शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ जोड़ता है। उन्होंने कहा कि ऐसी पहलें छात्रों में रचनात्मकता, आत्मविश्वास और मजबूत पहचान विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। फेस्टिवल पहले दिन का समापन एक रोमांचक डीजे सत्र के साथ हुआ, जिसने दर्शकों को उत्साहित और दूसरे दिन के लिए रोमांचित कर दिया। रंगों और परंपराओं का यह महोत्सव शुक्रवार को और भी रोमांचक प्रदर्शन और प्रतियोगिताओं के साथ जारी रहेगा।

कालेज में कार्यक्रम के दौरान प्रस्तुति देते कलाकार • कालेज

जब मंच पर उतरी संस्कृति और युवा बने उसकी धड़कन

विरासत 2026

जब भंगड़ा से हालीवुड तक गूंजा मंच, 'विरासत' बना यादगार उत्सव

स्पाइस रिपोर्टर, चंडीगढ़ : कभी ढोल की थाप पर थिरकते कदम, तो कभी लोकधुनों में घुलती भावनाएं- सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कालेज में आयोजित 'विरासत 2026' केवल एक फेस्टिवल नहीं, बल्कि युवाओं की ऊर्जा और भारतीय संस्कृति का जीवंत उत्सव बनकर उभरा। रंग-बिरंगी पोशाकों, झूमते नृत्यों और गूंजते संगीत के बीच ऐसा माहौल बना मानो परंपरा और आधुनिकता एक ही मंच पर संवाद कर रही हों।

मंच पर नाटी, भांगड़ा, हरियाणवी और राजस्थानी लोकनृत्यों ने दर्शकों को अपनी जड़ों से जोड़े रखा, वहीं बालीवुड और हालीवुड प्रस्तुतियों ने आधुनिकता का रंग भी भर दिया। हर प्रस्तुति के साथ दर्शकों का उत्साह बढ़ता गया और तालियों की गूंज पूरे परिसर में सुनाई देती रही।

हिमाचली और पंजाबी लोक संगीत ने कार्यक्रम को सांस्कृतिक गहराई दी, जबकि हकीकत और स्वास्तिक बैंड के लाइव परफार्मेंस ने माहौल को और अधिक जीवंत बना दिया। छात्रों की ऊर्जा, आत्मविश्वास और मंच पर उनकी मजबूत पकड़ ने यह साबित कर दिया कि आज का युवा अपनी परंपराओं को नए अंदाज में जीना जानता है। मुख्य अतिथि सुरभि गर्ग,

विरासत कार्यक्रम के दौरान प्रस्तुति देती छात्रा • कालेज

उपायुक्त एक्साइज एंड टैक्सेशन ने छात्रों की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे मंच परंपराओं को जीवंत बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वहीं, कालेज के प्रिंसिपल डा. अजय शर्मा ने इसे समग्र शिक्षा का अहम हिस्सा बताते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन छात्रों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

विरासत में गाना गाता सिंगर • कालेज

Dainik Savera Times 10-4-26

नृत्य, संगीत और उत्साह का महाकुंभ बना विरासत 2026 छात्रों की ऊर्जा ने भरा रोमांच

मुख्यतिथि का वेलकम करते हुए प्रिंसिपल

सवेरा न्यूज/नीना शर्मा चंडीगढ़ : जी जी डी ए स डी कॉलेज सैक्टर 32 में वीरवार को दो दिवसीय वार्षिक सां स्कृ ति क महोत्सव विरासत 2026 का आगाज़ हुआ। इस वार्षिक फेस्टिवल ने भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को आधुनिक अंदाज़ के साथ प्रस्तुत करते हुए हजारों छात्र-छात्राओं का मन मोह लिया। पहले दिन में नाटी, भांगड़ा, हरियाणवी, राजस्थानी, बॉलीवुड और हॉलीवुड सहित विविध नृत्य प्रस्तुत किए गए, जिन्होंने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। हिमाचली और पंजाबी लोक संगीत ने महोत्सव को सांस्कृतिक गहराई दी। इसके अलावा हक़ीकत और स्वास्तिक बैंड के लाइव प्रदर्शन ने महोत्सव के माहौल को और भी उत्साहपूर्ण बना दिया। कार्यक्र म में विद्यार्थियों की प्रस्तुति और कलाकारों की ऊर्जा ने 'विरासत 2026' को यादगार बना दिया और यह महोत्सव भारतीय संस्कृति के रंगों और रचनात्मकता का जीवंत प्रमाण बनकर उभरा। कार्यक्र म की मुख्य अतिथि सुरिभ गर्ग, उपायुक्त, एक्साइज एंड टैक्सेशन, चंडीगढ़ ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि उन्हें यह देखकर बहुत खुशी हुई कि युवा अपने सांस्कृतिक विरासत के साथ सक्रि य रूप से जुड़कर उसे मनाने में भाग ले रहे हैं। ऐसे मंच सुनिश्चित करते हैं कि हमारी परंपराएं प्रासंगिक, जीवंत और आधुनिक जीवन में गहराई से जड़ी रहें। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने महोत्सव के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि विरासत महोत्सव हमारे संस्थान की समग्र शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जो सांस्कृतिक सहभागिता को शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ जोड़ता है।

Divya Himachal 10.4.26

एसडी कालेज में भांगड़े पर धमाल

सांस्कृतिक महोत्सव विरासत में छात्रों ने मनवाया प्रतिभा का लोहा

चंडीगढ़। कार्यक्रम के दौरान गणमान्यों को सम्मानित करने का दौर

दिव्य हिमाचल ब्यूरो- चंडीगढ़

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में गुरुवार को दो दिवसीय वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव विरासत 2026 का आगाज़ हुआ। इस वार्षिक फेस्टिवल ने भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को आधुनिक अंदाज़ के साथ प्रस्तुत करते हुए हजारों छात्र-छात्राओं का मनमोह लिया। पहले दिन में नाटी, भांगड़ा, हरियाणवी, राजस्थानी, बॉलीवुड और हॉलीवुड सहित विविध नृत्य प्रस्तुत किए गए, जिन्होंने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। हिमाचली और पंजाबी लोक संगीत ने महोत्सव को सांस्कृतिक गहराई दी। इसके अलावा हक़ीकत और स्वास्तिक बैंड के लाइव प्रदर्शन ने महोत्सव के माहौल को और भी उत्साहपूर्ण बना दिया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों की प्रस्तुति और कलाकारों की ऊर्जा ने विरासत 2026 को यादग़ार बना दिया और यह महोत्सव भारतीय संस्कृति के रंगों और रचनात्मकता का जीवंत प्रमाण बनकर उभरा। कार्यक्रम की मुख्यातिथि सुरभि गर्ग, उपायुक्त एक्साइज एंड टैक्सेशन चंडीगढ़ ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि उन्हें यह देखकर बहुत खुशी हुई कि युवा अपने सांस्कृतिक विरासत के साथ सक्रिय रूप से जुड़कर उसे मनाने में भाग ले रहे हैं।

नृत्य, संगीत और उत्साह का महाकुंभ बना 'विरासत 2026', छात्रों की ऊर्जा ने भरा रोमांच

जगमार्ग न्यूज

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में वीरवार को दो दिवसीय वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव 'विरासत 2026' का आगाज़ हुआ। इस वार्षिक फेस्टिवल ने भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को आधुनिक अंदाज़ के साथ प्रस्तुत करते हुए हजारों छात्र-छात्राओं का मन मोह लिया। पहले दिन में नाटी, भांगड़ा, हरियाणवी, राजस्थानी, बॉलीवुड और हॉलीवुड सहित विविध नृत्य प्रस्तुत किए गए, जिन्होंने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। हिमाचली और पंजाबी लोक संगीत ने महोत्सव को सांस्कृतिक गहराई दी। इसके अलावा हक़ीकत और स्वास्तिक बैंड के लाइव प्रदर्शन ने महोत्सव के माहौल को और भी उत्साहपूर्ण बना दिया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों की प्रस्तुति और कलाकारों की ऊर्जा ने 'विरासत 2026' को यादगार बना दिया, और यह महोत्सव भारतीय संस्कृति के रंगों और रचनात्मकता का जीवंत प्रमाण बनकर उभरा।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सुरभि गर्ग, उपायुक्त, एक्साइज एंड टैक्सेशन, चंडीगढ़ ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि उन्हें यह देखकर बहुत खुशी हुई कि युवा अपने सांस्कृतिक विरासत के साथ सक्रिय रूप से जुड़कर उसे मनाने में भाग ले रहे हैं। ऐसे मंच सुनिश्चित करते हैं कि हमारी परंपराएं प्रासंगिक, जीवंत और आधुनिक जीवन में गहराई से जड़ी रहें। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने महोत्सव के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि विरासत महोत्सव हमारे संस्थान की समग्र शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जो सांस्कृतिक सहभागिता को शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ जोड़ता है।

उन्होंने कहा कि ऐसी पहलें छात्रों में रचनात्मकता, आत्मविश्वास और मजबूत पहचान विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। फेस्टिवल पहले दिन का समापन एक रोमांचक डीजे सत्र के साथ हुआ, जिसने दर्शकों को उत्साहित और दूसरे दिन के लिए रोमांचित कर दिया। रंगों और परंपराओं का यह महोत्सव शुक्रवार को और भी रोमांचक प्रदर्शन और प्रतियोगिताओं के साथ जारी रहेगा।

नृत्य, संगीत और उत्साह का महाकुंभ बना 'विरासत 2026', छात्रों की ऊर्जा ने भरा रोमांच

» **मदरलैंड संवाददाता**

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में वीरवार को दो दिवसीय वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव ह्वविरासत 2026ह्व का आगाज हुआ। इस वार्षिक फेस्टिवल ने भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को आधुनिक अंदाज के साथ प्रस्तुत करते हुए हजारों छात्र-छात्राओं का मन मोह लिया। पहले दिन में नाटी, भांगड़ा, हरियाणवी, राजस्थानी, बॉलीवुड और हॉलीवुड सहित विविध नृत्य प्रस्तुत किए गए, जिन्होंने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। हिमाचली और पंजाबी लोक संगीत ने महोत्सव को सांस्कृतिक गहराई दी। इसके अलावा हकीकत और स्वास्तिक बैंड के लाइव प्रदर्शन ने महोत्सव के माहौल को और भी उत्साहपूर्ण बना दिया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों की प्रस्तुति और कलाकारों की ऊर्जा ने ह्वविरासत 2026ह्व को यादगार बना दिया, और यह महोत्सव भारतीय संस्कृति के रंगों और रचनात्मकता का जीवंत प्रमाण बनकर उभरा।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सुरभि गर्ग, उपायुक्त, एक्साइज एंड टैक्सेशन, चंडीगढ़ ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि उन्हें यह देखकर बहुत खुशी हुई कि युवा अपने सांस्कृतिक विरासत के साथ सक्रिय रूप से जुड़कर उसे मनाने में भाग ले रहे हैं। ऐसे मंच सुनिश्चित करते हैं कि हमारी परंपराएं प्रासंगिक, जीवंत और आधुनिक जीवन में गहराई से जड़ी रहें। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने महोत्सव के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि विरासत महोत्सव हमारे संस्थान की समग्र शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जो सांस्कृतिक सहभागिता को शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ जोड़ता है। उन्होंने कहा कि ऐसी पहलें छात्रों में रचनात्मकता, आत्मविश्वास और मजबूत पहचान विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। फेस्टिवल पहले दिन का समापन एक रोमांचक डीजे सत्र के साथ हुआ, जिसने दर्शकों को उत्साहित और दूसरे दिन के लिए रोमांचित कर दिया। रंगों और परंपराओं का यह महोत्सव शुक्रवार को और भी रोमांचक प्रदर्शन और प्रतियोगिताओं के साथ जारी रहेगा।

Virasat 2026 at GGDSD college draws large gathering

Chandigarh: Thousands of students thronged to Goswami Ganesh Dutta Sanatan Dharma College, Chandigarh, for the vibrant, annual cultural festival, Virasat 2026 today. The two-day extravaganza will showcase a diverse range of traditional and contemporary performances, highlighting India's rich cultural heritage.

The inaugural day featured an engaging and eclectic mix of group and solo performances, including Nati, Bhangra, Haryanvi, Rajasthani, Bollywood, and Hollywood dance forms. The music segment highlighted Himachali and Punjabi folk traditions, adding depth to the cultural narrative. Live shows by Haqiqat and Swastik Band energized the audience.

Chief Guest Surbi Garg, IRS, Deputy Commissioner, Excise and Taxation, Chandigarh, lauded the initiative, stating, "It was heartening to witness such vibrant participation, where young people actively engaged with and celebrated their cultural heritage. Platforms like these ensure that traditions remain relevant, dynamic, and deeply rooted in contemporary life."

College Principal Dr. Ajay Sharma highlighted the significance of the event, stating, "Virasat Fest exemplified the institution's commitment to holistic education by integrating cultural engagement with academic excellence. Such initiatives play a vital role in fostering creativity, confidence, and a strong sense of identity among students."

The first day of Virasat 2026 concluded on a high note with a thrilling DJ session, leaving the audience energized and eager for Day 2. A spectacle of culture and tradition continues tomorrow, April 10th, with an exciting lineup of performances and competitions.

Punjab Kesari 10-4-26

महोत्सव | समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को आधुनिक अंदाज के साथ प्रस्तुत कर मोहा मन

नृत्य, संगीत और उत्साह का महाकुंभ बना विरासत, छात्रों की ऊर्जा ने भरा रोमांच

कालेज में आयोजित विरासत में छात्र प्रस्तुति देते हुए। (परमजीत)

चंडीगढ़, 9 अप्रैल (आशीष): सैक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में वीरवार को दो दिवसीय वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव विरासत 2026 का आगाज हुआ। इस वार्षिक फैस्टीवल ने भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को आधुनिक अंदाज के साथ प्रस्तुत करते हुए हजारों छात्र-छात्राओं का मन मोह लिया। पहले दिन में नाटी, भांगड़ा, हरियाणवी, राजस्थानी, बॉलीवुड और हॉलीवुड सहित विविध नृत्य प्रस्तुत किए गए, जिन्होंने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

हिमाचली और पंजाबी लोक संगीत ने महोत्सव को सांस्कृतिक गहराई दी। इसके अलावा हकीकत और स्वास्तिक बैंड के लाइव प्रदर्शन ने महोत्सव के माहौल को और भी उत्साहपूर्ण बना दिया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एक्साइज एंड टैक्सेशन विभाग की उपायुक्त सुरभि गर्ग ने कहा कि उन्हें यह देखकर बहुत खुशी हुई कि युवा अपने सांस्कृतिक विरासत के साथ सक्रिय रूप से जुड़कर उसे मनाने में भाग ले रहे हैं।

ऐसे मंच सुनिश्चित करते हैं कि हमारी परंपराएं प्रासंगिक, जीवंत और आधुनिक जीवन में गहराई से जड़ी रहें। प्रिंसीपल डॉ. अजय शर्मा ने महोत्सव के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि विरासत महोत्सव हमारे संस्थान की समग्र शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जो सांस्कृतिक सहभागिता को शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ जोड़ता है। उन्होंने कहा कि ऐसी पहलें छात्रों में रचनात्मकता, आत्मविश्वास और मजबूत पहचान विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। फैस्टीवल पहले दिन का समापन एक रोमांचक डीजे सत्र के साथ हुआ, जिसने दर्शकों को उत्साहित कर दिया।

नृत्य, संगीत और उत्साह का महाकुंभ बना 'विरासत 2026', छात्रों की ऊर्जा ने भरा रोमांच

चंडीगढ़, स्टेट समाचार

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में दो दिवसीय वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव 'विरासत 2026' का आगाज़ हुआ। इस वार्षिक फेस्टिवल ने भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को आधुनिक अंदाज़ के साथ प्रस्तुत करते हुए हजारों छात्र-छात्राओं का मन मोह लिया। पहले दिन में नाटी, भांगड़ा, हरियाणवी, राजस्थानी, बॉलीवुड और हॉलीवुड सहित विविध नृत्य प्रस्तुत किए गए, जिन्होंने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। हिमाचली और पंजाबी लोक संगीत ने महोत्सव को सांस्कृतिक गहराई दी। इसके अलावा हक़ीकत और स्वास्तिक बैंड के लाइव प्रदर्शन ने महोत्सव के माहौल को और भी उत्साहपूर्ण बना दिया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों की प्रस्तुति और कलाकारों की ऊर्जा ने 'विरासत 2026' को यादगार बना दिया, और यह महोत्सव

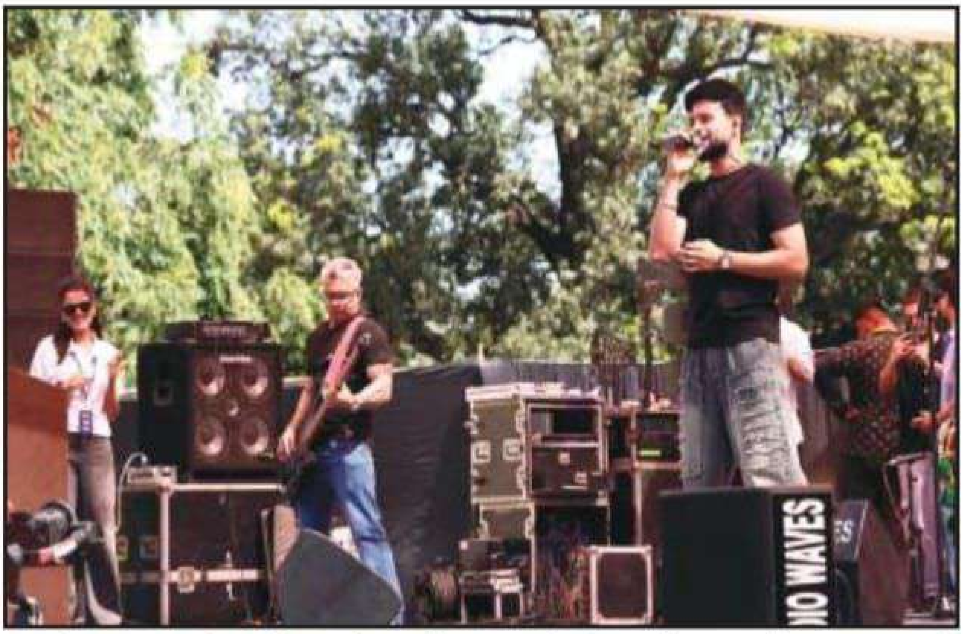

भारतीय संस्कृति के रंगों और रचनात्मकता का जीवंत प्रमाण बनकर उभरा। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सुरभि गर्ग, उपायुक्त, एक्साइज एंड टैक्सेशन, चंडीगढ़ ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि उन्हें यह देखकर बहुत खुशी हुई कि युवा अपने सांस्कृतिक विरासत के साथ सक्रिय रूप से जुड़कर उसे मनाने में भाग ले रहे हैं। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने महोत्सव के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि विरासत महोत्सव हमारे संस्थान की समग्र शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जो सांस्कृतिक सहभागिता को शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ जोड़ता है। उन्होंने कहा कि ऐसी पहलें छात्रों में रचनात्मकता, आत्मविश्वास और मजबूत पहचान विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।